

4. सुध-बुध भुलाने वाला 5. अचेत/मूर्च्छित करने वाला पुं. संगीत में एक राग का नाम।

**विमोहन** पुं. (तत्.) 1. ललचाना, लुभाना 2. वशीकरण, दूसरे के मन को अपने वश में करना 3. मोहित करना 4. चित्त को बेसुध करना 5. कामदेव का एक बाण 6. एक नरक का नाम।

**विमोहना** अ.क्रि. (तद्.) 1. मोहित/मुग्ध होना 2. भ्रम में पड़ना, धोखा खाना 3. अचेत/बेसुध होना स.क्रि. 1. मोहित/मुग्ध करना 2. लुभाना 3. प्रभावित करना वश में करना 4. दूसरे के मन में करना 5. भ्रमित करना 6. धोखा देना।

**विमोहा** पुं. (तद्.) छंद. 1. एक समवर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में दो रगण होते हैं। कुल छह वर्ण होते हैं 2. जोहा, विज्जोहा 3. विमोह।

**विमोहित** वि. (तत्.) 1. मुग्ध, मोहित, आसक्त 2. धोखा खाया हुआ, भ्रमित 3. किसी के द्वारा वश में किया हुआ 4. मूर्च्छित, अचेत, बेसुध।

**विमोही** वि. (तत्.) 1. मोहित/मुग्ध करने वाला 2. भ्रम में डालने वाला 3. मोह रहित, निर्मोही।

**विमौट** पुं. (देश.) बाँबी, वल्मीक (दीमकों की)

**विम्लान** वि. (तत्.) 1. म्लान, कुम्हलाया हुआ, मुरझाया हुआ 2. थका हुआ 3. निर्बल 4. मूर्च्छित 5. उदास 6. मलिन, मैला।

**वियंग** पुं. (प्रा.+सं.) शिव, महादेव, अर्धनारीश्वर वि. 1. दो अंगों वाला 2. जो टेढ़ा-मेढ़ा न हो, सीधा।

**विय** पुं. (प्रा.) दो का समुदाय, युग्म, जोड़ा वि. दूसरा, द्वितीय।

**वियन्मणि** पुं. (तत्.) सूर्य, आदित्य, भास्कर।

**वियल्लोक** पुं. (तत्.) पृथ्वी से ऊपर आकाश में स्थित समस्तलोक।

**वियुक्त** वि. (तत्.) 1. जो युक्त न हो, अलग 2. जिसकी जुदाई हो चुकी हो विलो. संयुक्त।

**वियुक्त-प्रति** स्त्री. (तत्.) पुस्त. किसी पत्र-पत्रिका की ऐसी प्रति जिसमें से कुछ पृष्ठ निकाल लिए गए हों।

**वियोग** पुं. (तत्.) 1. विच्छेद, संयोग का अभाव 2. विरह, विछोह 3. अभाव, हानि विलो. संयोग।

**वियोग-शृंगार** पुं. (तत्.) काव्य. शृंगार रस का एक भेद, नायक-नायिका का एक-दूसरे से वियुक्त होकर दुःख का अनुभव करना पर्या. विप्रलंभ शृंगार।

**वियोगांत** वि. (तत्.) (नाटक, उपन्यास आदि) जिसका अंत अथवा पर्यवसान दुःखपूर्ण हो।

**वियोगिनी** स्त्री. (तत्.) 1. अपने पति अथवा प्रेमी से वियुक्त स्त्री 2. एक छंद अथवा वृत्त का नाम।

**वियोगी** वि. (तत्.) प्रेमिका का पार्थक्य (वियोग) से दुखी, विरही उदा. 'वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान'- पंत।

**वियोजक** वि. (तत्.) पृथक करने वाला पुं. किसी संख्या में से घटाई जाने वाली छोटी संख्या।

**वियोजन** पुं. (तत्.) 1. पृथक करना अथवा पृथक होना, अलगाव 2. विघटन 3. जुदाई, बिछोह।

**वियोजन-ऊष्मा** स्त्री. (तत्.) रसा. किसी यौगिक के एक ग्राम अणु में से उसके तत्वों अथवा अन्य विशिष्ट अणुओं को वियोजित (अलग) करने के लिए आवश्यक ऊष्मा की मात्रा।

**वियोजित** वि. (तत्.) 1. पृथक किया गया, अलग किया गया 2. वंचित, रहित 3. जिसका किसी से विछोह हुआ हो।

**वियोज्य** वि. (तत्.) अलग करने योग्य, जिसे पृथक करना हो पुं. वह संख्या जिसमें से कोई संख्या घटाई जाए।

**विरंग** वि. (तत्.) जिसका रंग अच्छा न हो, बदरंग, कई रंगों का पुं. (तद्.) एक तरह की मिट्टी, कंकुठ।

**विरंच** पुं. (तत्.) ब्रह्मा।

**विरंचि** पुं. (तत्.) दे. विरंच।

**विरंचिसुत** पुं. (तत्.) देवर्षि नारद।